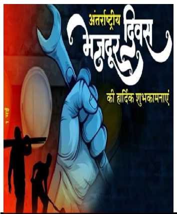

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 276 शुक्रवार 1 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

संभावित बाढ से निपटने के लिये तैयारियां शुरू

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । जनपद में संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु गुरूवार को जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को बाढ से पूर्व तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए समन्वित प्रयास एवं सर्तकता आवश्यक है। उन्होने अधिशासी अभियन्ता बाढ़ दिनेश कुमार को निर्देशित किया कि तटबंधो की मरम्मत, कटान संभावित स्थलों की पहचान तथा आवश्यक सुरक्षा कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिया जाय।

अधिशासी अभियन्ता दिनेश कुमार ने बताया कि जनपद में स्थित सभी तटबंधों के लिए बाढ़ खण्ड के सहायक अभियन्ता तथा अवर अभियन्ता की तैनाती करते हुए उनका मुख्यालय निर्धारित कर दिया गया है। बैठक में सीडीओ सार्थक अग्रवाल, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, सीटीओ अशोक कुमार प्रजापति, डीएफओ डा. शिरीन, सीएमओ डा. राजीव निगम, डीडीओ अजय कुमार सिंह, पीडी राजेश कुमार, उप जिलाधिकारी शत्रुध्न पाठक, मनोज प्रकाश, हिमांशु कुमार तथा सत्येन्द्र कुमार सिंह, डीएसओ विमल शुक्ला, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, वभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

पुरस्कृत किये गये मेधावी बढाया हौसला

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। गत दिनों नगर पंचायत क्षेत्र कप्तानगंज स्थित मां गायत्री इंटर कॉलेज नकटीदेई कप्तानगंज बस्ती में इस वर्ष की बोर्ड परीक्षा में अपनी मेधा का परचम लहराने वाले परीक्षार्थियों के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के सभागार में किया गया।

मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रबंधक शिक्षाविद अशोक कुमार मिश्रा रहे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री मिश्र ने कहा कि वर्ष 2008 में विद्यालय के छात्र मंडल की टॉपर सूची में आए थे और तब से अद्यतन अनवरत इस विद्यालय के छात्र–छात्रा जनपद की मेरिट लिस्ट अथवा मंडल की मेरिट लिस्ट में अपना कब्जा कायम किये हुएहै इसके लिए विद्यालय के इन मेधावियों के साथ–साथ शिक्षकों को भी शुभकामनाएं देता हूं। विद्यालय के प्रबंधक द्वारा इस वर्ष हाई स्कूल परीक्षा में विद्यालय में प्रथम स्थान के साथ–साथ जनपद लिस्ट में सातवीं स्थान पर नाम रोशन करने वाली अंशिका यादव जिन्हें 94.5: अंक मिले उन्हें प्रशस्ति पत्र के साथ–साथ घ्5000 नगद राशि देकर सम्मानित किया साथ ही अन्य मेधावियों को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया हाई स्कूल में कुमारी आंचल मिश्रा 92.33: मानसी मिश्रा 88.33: सोगेरा फातिमा 87.66 प्रतिशत इकरा खातून,86: पलक 84.5 : वैष्णवी 84: जबकि इंटरमीडिएट में प्रतिष्ठा चौधरी 87.4: नेहा यादव 84.4: नीतू वर्मा 83.4: पावनी मिश्रा 83: रोशनी वर्मा 82.8 प्रतिशत अंजली वर्मा 80: प्रियांशी 80: शिवानी उपाध्याय 80: रुचि यादव 80: अंक प्राप्त करने वाली मेधावियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा उपरोक्त मेधावियों के अभिभावकों को भी अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया ।

संचालन विद्यालय के शिक्षक बैजनाथ मिश्र ने किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने आभार प्रकट करते हुए सभी छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की इस मौके पर अबरार अहमद राजेंद्र उपाध्याय मनोज कुमार तिवारी राजेश कुमार पांडे पूनम पांडे प्रेमचंद्र मिश्रा हजरत अली रामनरेश यादव सनी यादव चंद्रपाल वर्मा सोनिया मिश्रा सहित अनेक शिक्षक एवं अभिभावक मौजूद रहे।

मजहबी आरक्षण का विरोध करती है भाजपा– योगी

लखनऊ (आभा)। विधान मंडल के दोनों सदनों का एक दिवसीय विशेष सत्र गुरुवार को जारी है। सीएम योगी ने इस दौरान कहा कि समाजवादी पार्टी को जब भी सत्ता में रहने का अवसर प्राप्त हुआ है तब जिस तरह की बर्बर घटनाएं और क्रूरता की घटनाएं हुई है वह हर व्यक्ति जानता है। समाजवादी पार्टी के समय नारा बन गया था– देख सपाई, बिटिया घबराई। यह विशेष सत्र समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन के महिला विरोधी आचरण के खिलाफ विशेष निंदा प्रस्ताव पारित करने के उद्देश्य से बुलाया गया है। विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान माता प्रसाद पांडेय ने आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाया तो सीएम योगी ने इसका जवाब दिया।

यूपी विधानसभा में सपा विधायक कमाल अख्तर ने कहा– ये सभी जानते हैं कि 2023 में महिला आरक्षण बिल पास हुआ। लेकिन बीजेपी के जितने भी साथी हैं वह भ्रम फैलाते हैं। 5 राज्य में चुनाव था इसलिए विशेष सत्र बुला लिया। अब आप बताइए 2011 की जनगणना के आधार पर तो यूपी सरकार पंचायत चुनाव नहीं करवाना चाहती, फिर लोकसभा में महिला आरक्षण बिल कैसे लागू हो जाएगा।

माता प्रसाद पांडेय के सवाल का जवाब देते हुए सीएम योगी ने कहा, भाजपा कभी भी अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जातियों के आरक्षण के विरोध में नहीं रही है। लेकिन हम लोग मजहबी आरक्षण का सदैव विरोध करते रहे हैं और विरोध करते रहेंगे। जिन कारणों से इस देश ने 1947 में विभाजन की त्रासदी को झेला है, उस प्रकार की स्थिति भविष्य में कभी न आने पाए।

रंग लायी सौरभ त्रिपाठी की पहलः श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर कारिडोर निर्माण के लिये धन स्वीकृत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी की पहल पर श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर कारिडोर निर्माण और सौन्दर्यीकरण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। धर्मार्थ कार्य निदेशालय वाराणसी के सचिव के पत्र के आधार पर बस्ती के तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा भेजे गये पांच विन्दुओं की आख्या के आधार पर पर्यटन विभाग द्वारा कार्य हेतु 2 करोड़ रूपये की स्वीकृति मिल गयी है।

यह जानकारी देते हुये विश्व हिन्दू महासंघ युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि उन्होने वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र देकर श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर कारिडोर के निर्माण और सौन्दर्यीकरण कराने की मांग किया था। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लिया और कारिडोर निर्माण की घोषणा भी कर दिया। धन स्वीकृति के बाद कारीडोर निर्माण आरम्भ हो जायेगा। सौरभ त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर कारिडोर निर्माण और सौन्दर्यीकरण से श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी और क्षेत्र का विकास भी और तेजी से होगा।

3 मई को घर में बेटी की शादी :दबंग पड़ोसी नहीं हटा रहे हैं दरवाजे के सामने से अवैध कब्जा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। 3 मई को घर पर बेटी की शादी है और दबंग पड़ासी सुलहनामे के बावजूद दरवाजे के सामने से अवैध कब्जा हटवाने को तैयार नहीं है। पैकोलिया थाना क्षेत्र के पिपराकाजी निवासिनी श्यामकली पत्नी राम सुरेश ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर बेटी की शादी से पहले घर के सामने से अवैधा कब्जा हटवाने की मांग किया है।

उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में श्यामकली ने कहा है कि उसके पड़ोसी बब्लू पुत्र राम धीरज के मकान निर्माण कार्य हो रहा था कोई असुविधा न हो मदद की मंशा से उसने अपने घर के सामने ईंट इत्यादि रखवा दिया था। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद वह जगह खाली करने के लिए बार बार कहती रही पर वो लोग जमीन हड़पने की नियत से आना कानी करते रहे।

-अवैध कब्जा न हटा तो थाने का घेराव करेगी आजाद समाज पार्टी

थाना पैकोलिया में दोनो पक्षो के बीच गांव के सम्भ्रान्तगणो के सामने इस शर्त पर सुलह हुआ था कि 15 दिन के अन्दर उक्त जमीन खाली कर देगें । ऐसा न होने पर उसने उपजिलाधिकारी हर्रैया को प्रार्थना पत्र दिया। किन्तु विपक्षी पंचायत चुनाव नजदीक होने के कारण लोगो की सह पर जमीन खाली नही कर रहा है ।

मामले की सूचना मिलने पर आजाद समाज पार्टी के जिला प्रभारी विशाल कुमार गौतम, जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार, हर्रैया विधानसभा के मीडिया प्रभारी राकेश कुमार मौके पर पहुंचे। चेतावनी दिया कि यदि विवाह से पूर्व 2 मई तक दरवाजे के सामने से अवैध कब्जा न हटा तो वे थाने का घेराव करने को मजबूर होंगे।

जमीन पर जबरिया निर्माण की कोशिश डीएम से लगाया न्याय की गुहार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। गौर थाना क्षेत्र की सहबाजपुर निवासिनी बिन्दू देवी पत्नी वृजेश कुमार की पुत्री बबिता कुमारी ने जिलाधिकारी को पत्र देकर अपने जमीन पर जबरिया निर्माण कराने की कोशिश करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

डीएम को दिये पत्र में कहा गया है कि गाटा संख्या 144 अ और 144 रकबा 0–1–0 ग्राम मुण्डेर तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हरैया जनपद बस्ती में बैनामा कराकर का अपने जमीन पर काबिज है। उसकी भूमि में जबरदस्ती दिलीप कुमार पुत्र जनेश्वर कुछ गुण्डों के साथ कब्जा करके नीव निर्माण कराने लगे। उसने थाना गौर में शिकायत किया कि जब तक फैसला न हो जाय तब तक निर्माण कार्य न किया जाय। लेकिन वे चुपके से निर्माण कार्य करने की तैयारी में है। दिलीप कुमार दबंग किस्म का व्यक्ति है और आये दिन जान से मारने की धमकी दे रहा है जिससे उनका परिवार डरा सहमा है। ऐसी स्थिति में जबरिया अवैध निर्माण की कोशिश को रोकने के साथ ही दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

सेवानिवृत्त शिक्षकों को दिया विदाई: अधिकारों के लिये एकजुट होकर संघर्ष पर जोर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । गुरूवार को उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ शाखा बस्ती के आम सभा की बैठक जिलाध्यक्ष शिव शंकर पांण्डय की अध्यक्षता में प्रेस क्लब सभागार में आयोजित की गई। कार्यक्रम में संघ द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि प्रदेश संरक्षक सुरेश चंद्र बैसवार ने कहा कि शिक्षक की भूमिका कभी समाप्त नहीं होती। उन्होने अधिकारों के लिये एकजुट होकर संघर्ष पर जोर दिया। कहा कि वर्तमान केंद्र और राज्य सरकार शिक्षकों के हितों की अनदेखी कर रहे हैं। सन 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से छूट मिलनी चाहिए, इसी प्रकार सन 2006 में अनुदान सूची में आए विद्यालयों के ऐसे कर्मचारी जिनकी नियुक्ति , विज्ञापन 1–4– 2005 से पूर्व की है उन्हें पुरानी पेंशन से वंचित रखना दुर्भाग्यपूर्ण है संघ इसके लिए अथक संघर्ष करने को तैयार है और न्याय मिलने तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

विशिष्ट अतिथि संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण कुमार सिंह ने कहा कि पेंशन कर्मचारियों का हक है और कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन ही एकमात्र विकल्प है, हम सबको एकजुट होकर पेंशन और टेट जैसे मुद्दों पर सरकार से लड़ना होगा। जिलाध्यक्ष शिव शंकर पाण्डये ने कहा कि सेवानिवृत शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के ग्रेजुएटी के लिए संघ ने अथक प्रयास करके कर्मचारियों कीग्रेजुएटी निर्गत करवाई है, ऐसे कर्मचारी जिनकी फाइल बाद में जमा हुई उनके लिए प्रयास चल रहा है, जल्द ही ग्रेच्युटी निर्गत हो जाएगी । टेट और पेंशन जैसे मुद्दों पर जिला अध्यक्ष ने आर पार की लड़ाई का आह्वान किया । जिला महामंत्री भूपेंद्र प्रताप सिंह ने जनपद के विद्यालयों में उत्पन्न समस्यायों के संबंध में कहा कि संघ हर हाल में शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के साथ है । उन्होंने चयन और प्रोन्नत वेतनमान से संबंधित संघ के प्रयासों का उल्लेख किया ।

प्रदेश संगठन मंत्री धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इस कर्मचारी विरोधी सरकार से हम अपनी जायज मांगों के लिए तब तक संघर्ष जारी रखेंगे जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं हो जाती चाहे वह टेट का मुद्दा हो या पुरानी पेंशन बहाली का ।

कार्यक्रम को मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष लवकुश शुक्ला, राजेश उपाध्याय, सुनील यादव, नेबु लाल यादव, हेमंत मिश्र लोकेन्द्र सिंह, कृष्ण कुमार दुबे , पुष्कर चौधरी आदि ने संबोधित किया। संचालन जिला उपाध्यक्ष डॉ विजय सिंह ने किया । बैठक में मुख्य रूप से उपाध्यक्ष सर्वेश पाण्डेय, लवकुश शुक्ला, राहुल सिंह, विपिन कुमार सिंह, रवि गौतम, दीपक श्रीवास्तव, रागिनी तिवारी, अखिलेश मिश्रा, अभिनव सिंह, परमात्मा सिंह, विपिन कुमार सिंह, अखंड प्रताप सिंह, राकेश कुमार शुक्ला, हेमंत उपाध्याय, ओम प्रकाश पाण्डेय, ओम प्रकाश सिंह, चंद्रभान सिंह, हरि मूरत वर्मा, फूलचंद प्रजापति, सत्यराम उपाध्याय, नरसिंह नारायण, सूर्यकमल सिंह, राकेश शुक्ला, आर के पाण्डेय, राहुल शुक्ला, चंद्रेश कुमार, रमेश सिंह, कृष्णानंद दुबे, कपिल देव मौर्य, आलोक यादव, विनोद गुप्ता, मुकेश सिंह, रंजीत जैसवाल, अर्चना त्रिपाठी, पूनम यादव, रितेश श्रीवास्तव, पूजा सिंह कौशिक, उषा सिंह, महिपाल के साथ ही अनेक शिक्षक शामिल रहे।

बस्ती के स्थापना दिवस पर वशिष्ठ महोत्सव के लिये भूमिपूजन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। गुरूवार को स्टेडियम परिसर में विधि विधान से वशिष्ठ महोत्सव के लिये भूमिपूजन सम्पन्न हुआ। अयोध्या धाम के आचार्य धनंजय मिश्र, आचार्य विवेक तिवारी की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने पूजन अर्चन किया।

मुख्य अतिथि गायत्री मंदिर बस्ती के पारिब्राजक पंडित राम प्रसाद त्रिपाठी ने समारोह के सफलता की कामना करते हुए कहा कि अपने जिले स्थापना दिवस मनाया जाना गौरव की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार शीघ्र ही बस्ती का नाम बदल कर वशिष्ठ नगर करेगी। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि 05,06 और 07 मई को शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य वशिष्ठ महोत्सव आयोजित होगा।

श्री राना ने कहा कि महर्षि वशिष्ठ जी की पावन भूमि का स्वर्णिम इतिहास सनातन धर्म की गौरव गाथा है।

-5 से 7 मई तक शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में होंगे कार्यक्रम-राना दिनेश प्रताप सिंह

कार्यक्रम में राज्य स्तरीय खो खो, जनपदीय हैंडबॉल, वालीबाल, कबड्डी प्रतियोगिताएं तथा सांस्कृतिक संध्या का अदभुद संगम होगा। उन्होंने जनपद वासियों से अपील किया कि कार्यक्रम में सपरिवार पधार कर समारोह का हिस्सा बनें।

समारोह में ओलंपिक संघ के जिला सचिव अजय श्रीवास्तव, राष्ट्रीय खिलाड़ी हिना खातून, विकास कुमार कोच, प्रभाकर ओझा, राम सिंह, मनोज सिंह, चंद्र मणि मिश्र, राजेश त्रिपाठी, रणजीत सिंह, कैलाश मोहन श्रीवास्तव, प्रेम प्रकाश चौधरी, विजय सेन सिंह, अनिल श्रीवास्तव, विजय दूबे , विवेक सिंह, रणविजय गौतम, संजय पाण्डेय, विजय श्रीवास्तव, राकेश पाण्डेय, अखिलेश गुप्ता, गौरी शंकर तिवारी, संजय कसौधन, धर्मेंद्र चौधरी, सुधीर सिंह, राजन उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

छत्रपति शिवाजी पर धीरेन्द्र शास्त्री की अभद्र टिप्पणी से भड़की भारतीय समता मूलक महासभा, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। गुरूवार को भारतीय समता मूलक महासभा प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर प्रदेश उपाध्यक्ष आर.के. सिंह पटेल और जिलाध्यक्ष विजय कुमार वर्मा के नेतृत्व में महासभा पदाधिकारियों ने राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि कथाकार धीरेन्द्र शास्त्री द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के संदर्भ में की गई अभद्र टिप्पणी के संबंध में उनके विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराते हुये गिरफ्तार कर जेल भेजा जाय।

ज्ञापन देने के बाद महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष आर.के. सिंह पटेल ने कहा कि 25 अप्रैल 2026 को महाराष्ट्र के नागपुर में आरएसएस द्वारा आयोजित भद्र दुर्ग शक्ति स्थल के शिलान्यास समारोह के दौरान कथाकार धीरेंद्र शास्त्री ने 'हिंदवी स्वराज' के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को नीचा दिखाने का दुष्प्रयास करते हुए कहा कि जब शिवाजी महाराज युद्ध करते हुए बहुत थक गए थे तो उन्होंने समर्थ गुरु रामदास के चरणों में अपना मुकुट सौंपते हुए कहा कि अब आप अपना साम्राज्य संभालिए। धीरेन्द्र शास्त्री का यह वक्तव्य झूठा एवं काल्पनिक है। धीरेंद्र शास्त्री के इस मनगढ़ंत बयान से पूरे भारत के आम जनमानस में गहरा आक्रोश व्याप्त है। कहा कि भारतीय समता मूलक महासभा उनके इस बयान का कडे शब्दों में निन्दा करते हुये मांग करती है कि धीरेन्द्र शास्त्री के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर उन्हें गिरफ्तार कराया जाय।

—धीरेन्द्र शास्त्री के गिरफ्तारी की मांग

राज्यपाल को ज्ञापन भेजने के दौरान मुख्य रूप से भारतीय समता मूलक महासभा के बद्री प्रसाद चौधरी, ई. के.सी. चौधरी, अशोक कुमार वर्मा, सुग्रीव यादव, घनश्याम चौधरी, अहमद रजा, अशोक कुमार चौधरी, कृपाशंकर चौधरी, ओम प्रकाश चौधरी, लालचंद वर्मा, राम सुरेश चौधरी, विद्या सागर, संजय चौधरी, डा. श्यामनरायन आदि शामिल रहे।

श्री कृष्णा शुगर एण्ड डेयरी लिमिटेड का निर्माण कार्य अंतिम चरण में: पशु पालकों में जगी उम्मीद

—सौरभ वीपी वर्मा—

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जनपद के सल्टौआ विकास खण्ड के मधवापुर में श्री कृष्णा शुगर एंड डेयरी लिमिटेड द्वारा स्थापित की जा रही डेयरी उत्पाद इकाई का निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। यह परियोजना क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है।

संस्था के चेयरमैन एवं श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल के प्रमुख बसंत चौधरी ने बताया कि इस डेयरी यूनिट का उद्देश्य बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करना है। कंपनी की योजना के अनुसार प्रत्येक गांव में कम से कम 5 से 10 लोगों को सीधे रोजगार से जोड़ा जाएगा। यदि इस योजना को 100 गांवों तक लागू किया जाता है, तो करीब 500 से 1000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से यह आंकड़ा 2000 से अधिक तक पहुंच सकता है।

उन्होंने बताया कि यूनिट की प्रारंभिक क्षमता प्रतिदिन लगभग 50,000 से 1,00,000 लीटर दूध प्रोसेसिंग की होगी, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 2 लाख लीटर प्रतिदिन तक करने की योजना है। इस स्तर की प्रोसेसिंग से न केवल स्थानीय खपत पूरी होगी, बल्कि आसपास के जिलों में भी आपूर्ति की जा सकेगी।

डेयरी उद्योग शुरू होने से क्षेत्र के किसानों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। अनुमान के अनुसार यदि कोई किसान 5 गाय या भैंस पालता है और प्रतिदिन औसतन 40दृ50 लीटर दूध उत्पादन करता है, तो वर्तमान बाजार दर के अनुसार उसकी मासिक आय में घ्40,000 से घ्50,000 तक की वृद्धि संभव है।इसके अलावा, कंपनी द्वारा दूध खरीद की सुनिश्चित व्यवस्था किए जाने से किसानों को औने–पौने दाम पर दूधा बेचने की मजबूरी नहीं रहेगी। इससे बिचौलियों की भूमिका कम होगी और किसानों को सीधे उचित मूल्य मिलेगा।

विशेषज्ञों के अनुसार, डेयरी क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक मजबूत आधार है। राष्ट्रीय स्तर पर डेयरी उद्योग की वार्षिक वृद्धि दर लगभग 6दृ8: के बीच मानी जाती है, और उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा दूधा उत्पादक राज्य है, जहां कुल उत्पादन में करीब 16, 18: योगदान है। ऐसे में बस्ती में इस तरह की इकाई का स्थापित होना क्षेत्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बसंत चौधरी ने बताया कि इस यूनिट के माध्यम से उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पाद जैसे दूध, दही, खोवा, पनीर, मिठाई और छाछ उपलब्ध कराई जाएगी। आधुनिक तकनीक और गुणवत्ता मानकों के आधार पर उत्पादन किया जाएगा, जिससे खाद्य सुरक्षा और शुद्धता सुनिश्चित होगी।

इस परियोजना से तकनीकी, प्रबंधन, परिवहन और विपणन जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर खुलेंगे। अनुमान है कि यूनिट के पूर्ण संचालन के बाद प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3000 से अधिक लोगों को रोजगार मिल सकता है।

कुल मिलाकर बस्ती जिले की यह डेयरी परियोजना न सिर्फ रोजगार सृजन का माध्यम बनेगी, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने और क्षेत्र की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

करुणा, शांति और आत्म जागरण के प्रकाश स्तंभ हैं गौतम बुद्ध

—ललित गर्ग—

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिनका जीवन केवल एक युग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि युगों—युगों तक मानवता के पथ को आलोकित करता है। गौतम बुद्ध ऐसे ही एक अद्वितीय प्रकाशस्तंभ हैं, जिनका करुणा, अहिंसा और आत्मजागरण का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना ढाई हजार वर्ष पूर्व था। बुद्ध पूर्णिमा का पावन दिवस केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि आत्मबोध, समता और शांति के उस दिव्य संदेश का पुनर्स्मरण है, जिसकी आज के हिंसाग्रस्त और तनावपूर्ण विश्व को अत्यंत आवश्यकता है। बुद्ध पूर्णिमा का दिन अद्वितीय है, क्योंकि इसी दिन गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञानप्राप्ति और महापरिनिर्वाण—तीनों घटनाएं घटित हुईं। नेपाल के लुम्बिनी में जन्मे सिद्धार्थ ने बोधगया में बोधिवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया और कुशीनगर में निर्वाण को प्राप्त हुए। इस दृष्टि से यह दिन केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं, बल्कि जीवन की पूर्णता, जागरण और मुक्ति का प्रतीक है। आज विश्व के विभिन्न देशों—श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, जापान, कोरिया और भारत में इसे विभिन्न नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। श्रीलंका में 'वेसाक' के रूप में दीपों और करुणा के उत्सव के रूप में यह दिन विशेष रूप से उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

गौतम बुद्ध एक प्रकाशस्तंभ है, जिसका प्रकाश केवल बाहरी दुनिया को ही नहीं, बल्कि भीतरी दुनिया को भी आलोकिक करता है। बुद्ध को सबसे महत्वपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक महामनीषी, देवपुरुष, सिद्ध—संन्यासी, समाज—सुधारक धर्मगुरु माना जाता हैं। बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार भी माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्म में भी वे पूजनीय है। उन्हें धर्मक्रांति के साथ—साथ व्यक्ति एवं विचारक्रांति के सूत्रधार भी कह सकते हैं। उनकी क्रांतिवाणी उनके क्रांत व्यक्तित्व की द्योतक ही नहीं वरन् धार्मिक, सामाजिक विकृतियों एवं अंधरूढ़ियों पर तीव्र कटाक्ष एवं परिवर्तन की प्रेरणा भी है, जिसने असंख्य मनुष्यों का जीवन—निर्माण किया एवं उनकी जीवन दिशा को बदला। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक—सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे—तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। लोकजीवन को ऊंचा उठाने के लिये उन्होंने जो हिमालयी प्रयत्न किये, वे अद्भुत और आश्चर्यकारी है। बुद्ध के अनुसार जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त करना है।

गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था, वे एक राजकुमार थे, किन्तु जीवन के दुख—जरा, व्याधि और मृत्यु ने उनके अंतर्मन को विचलित कर दिया। 29 वर्ष की आयु में उन्होंने राजवैभव का त्याग कर सत्य की खोज का मार्ग अपनाया। कठोर तप और साधना के पश्चात उन्होंने पाया कि न तो भोग का मार्ग उचित है और न ही अत्यधिक तप का। उन्होंने "मध्यम मार्ग" का सिद्धांत दिया—संतुलन, सजगता और समत्व का मार्ग। गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपना प्रथम उपदेश दिया, जिसे "धर्मचक्र प्रवर्तन" कहा जाता है। उनके चार आर्य सत्य—दुःख, दुःख का कारण, दुःख का निरोध और दुःखनिरोधगामिनी प्रतिपदा—मानव जीवन के गहन विश्लेषण और समाधान प्रस्तुत करते हैं। आज का विश्व युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता और मानसिक तनाव से जूझ रहा है। ऐसे समय में बुद्ध का करुणा एवं शांति का संदेश अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने स्पष्ट कहा— "द्वेष से द्वेष कभी समाप्त नहीं होता, प्रेम से ही द्वेष समाप्त होता है।" यह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि सामाजिक और वैश्विक शांति का सूत्र है। यदि आज के राष्ट्र, समाज और व्यक्ति इस एक सिद्धांत को आत्मसात कर लें, तो अनेक संघर्षों का समाधान संभव हो सकता है।

महात्मा बुद्ध के जीवन का एक प्रेरक प्रसंग उनकी करुणा और क्षमाशीलता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। एक व्यक्ति जो उन्हें निरंतर अपशब्द कहता था, जब दुर्घटनाग्रस्त होकर पीड़ा में पड़ा, तब बुद्ध स्वयं उसके पास पहुंचे, उसके घावों की सेवा की और अपने भिक्षुओं को उसकी देखभाल का निर्देश दिया। बुद्ध के इस अप्रत्याशित प्रेम और करुणा से उसका हृदय परिवर्तन हो गया और उसने अपने व्यवहार के लिए क्षमा मांगी। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि सच्ची महानता प्रतिशोध में नहीं, बल्कि क्षमा और करुणा में निहित है और यही भाव मानवता को जोड़ने की सबसे बड़ी शक्ति है।

बुद्ध ने केवल बाह्य हिंसा का विरोध नहीं किया, बल्कि मन की हिंसा—ईर्ष्या, क्रोध, लोभ और अहंकार को भी सबसे बड़ा शत्रु बताया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही सच्चा विजेता है। हजारों युद्ध जीतने वाला भी उस व्यक्ति के सामने छोटा है, जिसने अपने मन को जीत लिया। गौतम बुद्ध ने उस समय के समाज में व्याप्त जातिवाद, छुआछूत और लैंगिक भेदभाव का विरोध किया। उन्होंने सभी मनुष्यों को समान बताया और कहा कि व्यक्ति की श्रेष्ठता जन्म से नहीं, कर्म से निर्धारित होती है। बुद्ध का संघ एक समतामूलक समाज का आदर्श उदाहरण था, जहाँ सभी वर्गों के लोग समान रूप से स्वीकार किए जाते थे। यही कारण है कि उनका आंदोलन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का भी आधार बना। बाद में भीमराव आम्बेडकर ने भी बुद्ध के इसी समतामूलक दृष्टिकोण को अपनाते हुए लाखों लोगों को सामाजिक सम्मान का मार्ग दिखाया। यह दर्शाता है कि बुद्ध का विचार केवल प्राचीन नहीं, बल्कि आधुनिक समाज के लिए भी उतना ही प्रासंगिक है।

महान करुणामूर्ति बुद्ध का एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश है—"अप्प दीपो भव" अर्थात् अपना दीपक स्वयं बनो। यह संदेश व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनने, अपने भीतर प्रकाश खोजने और बाहरी सहारों से मुक्त होने की प्रेरणा देता है। बुद्ध का चिंतन हमें भीतर झांकने, मन को निर्मल करने और करुणा, मैत्री, मुदिता एवं उपेक्षा जैसे भावों को जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है। वे बताते हैं कि शांति बाहर नहीं, हमारे अंतर्मन में ही निवास करती है और जब मन जाग्रत होता है, तब अहंकार, क्रोध और हिंसा स्वतः विलीन हो जाते हैं। आज के अशांत और तनावग्रस्त वातावरण में बुद्ध का यह संदेश जन—जन को प्रेम, सह—अस्तित्व और सहिष्णुता की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज जब व्यक्ति बाहरी उपलब्धियों, तकनीकी साधनों और भौतिक सुखों में उलझा हुआ है, तब यह संदेश उसे भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। मानसिक शांति, संतुलन और आत्मसंतोष केवल बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि भीतर की सजगता और जागरूकता से प्राप्त होते हैं।

बुद्ध ने वर्तमान में जीने का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि अतीत की स्मृतियाँ और भविष्य की चिंताएँ मन को अशांत करती हैं। जो व्यक्ति वर्तमान क्षण में जीना सीख लेता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन का आनंद प्राप्त करता है। आज के तनावग्रस्त जीवन में "माइंडफुलनेस" (सचेतनता) की जो अवधारणा विश्वभर में लोकप्रिय हो रही है, उसका मूल स्रोत बुद्ध की ही शिक्षाएँ हैं। यह दर्शाता है कि उनका दर्शन समय से परे है। आज मानवता जिन संकटों से जूझ रही है—पर्यावरणीय असंतुलन, युद्ध, सामाजिक विभाजन, मानसिक अवसाद, उनका समाधान केवल तकनीकी प्रगति से संभव नहीं है। इसके लिए मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। गौतम बुद्ध का करुणा, अहिंसा, समता और आत्मसंयम का संदेश इन सभी समस्याओं के समाधान की दिशा प्रदान करता है। यदि व्यक्ति अपने भीतर करुणा का विकास करे, तो समाज में शांति और सौहार्द स्वतः स्थापित हो सकते हैं।

बुद्ध पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम बुद्ध के बताए मार्ग पर चल रहे हैं या केवल उनके उपदेशों का औपचारिक स्मरण कर रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बुद्ध को केवल पूजें नहीं, बल्कि उन्हें जियें। उनके विचारों को अपने व्यवहार में उतारें। करुणा, प्रेम, सहिष्णुता और समता को अपने जीवन का आधार बनाएं। जब प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर एक "बुद्ध" को जागृत करेगा, तभी एक शांत, संतुलित और समतामूलक विश्व की स्थापना संभव होगी। यही बुद्ध पूर्णिमा का सच्चा संदेश है और यही मानवता के उज्ज्वल भविष्य की दिशा भी।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 मई 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

ध्वनि प्रदूषण का खतरा

महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक में दूषित हवा के साथ—साथ ध्वनि प्रदूषण भी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। विभिन्न अध्ययन रपटों में यह बात सामने आई है कि ज्यादातर बड़े शहरों में शोर का स्तर तय मानकों से काफी अधिक है। इसका मानव स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है और बहरापन, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, नींद की कमी तथा मानसिक तनाव जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

इसी के मद्देनजर हाल में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने राष्ट्रीय राजधानी में नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई, उचित निगरानी और जुर्माना अनिवार्य कर दिया गया है। मगर सवाल है कि क्या कागजों में कड़े प्रावधान कर देने से ध्वनि प्रदूषण को रोका जा सकता है? इससे संबंधित नियम—कानून से लेकर अदालतों के आदेश पहले से मौजूद हैं, तो फिर नए निर्देश जारी करने की जरूरत क्यों पड़ी! जाहिर है कि कार्यान्वयन में कई स्तरों पर लापरवाही बरती जा रही है।

गौरतलब है कि ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 को पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत लागू किया गया था। इन नियमों का उद्देश्य लाउडस्पीकर, वाहनों के हार्न, निर्माण कार्य और औद्योगिक मशीनों जैसे सभी स्रोतों से ध्वनि के स्तर को नियंत्रित कर जनस्वास्थ्य तथा पर्यावरण की सुरक्षा करना है।

नियमों में विभिन्न क्षेत्रों के लिए दिन और रात के समय ध्वनि के मानक तय किए गए हैं, जिनमें संबंधित प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना रात दस बजे से सुबह छह बजे के बीच लाउडस्पीकर के उपयोग पर प्रतिबंध भी शामिल है। मगर इन नियमों को जमीनी स्तर पर लागू करने का जिम्मा संभाले प्राधिकारियों के दायित्व, निष्पक्षता और ईमानदारी पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं।

आलम यह है कि कई जगह ध्वनि प्रदूषण को मापने के लिए लगाए गए यंत्र निष्क्रिय पड़े हैं और जहां ये यंत्र काम कर रहे हैं, उनमें दर्ज आंकड़ों का भी शोर कम करने के उपायों में समुचित इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। इससे स्पष्ट है कि जब तक अधिकारियों के स्तर पर जवाबदेही तय नहीं की जाएगी, तब तक किसी भी नियम और दिशा—निर्देश का असर धरातल पर नजर नहीं आएगा।

औद्योगिक रफ्तार को झटका

पिछले वर्ष विनिर्माण क्षेत्र में अच्छे प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन की जो लुभावनी तस्वीर दिखाई दे रही थी, वह इस साल पश्चिम एशिया में उपजे संकट की वजह से फीकी पड़ गई है। सरकार की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया गया कि औद्योगिक उत्पादन वृद्धि मार्च में घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.1 फीसद पर आ गई। इसका कारण विनिर्माण क्षेत्र में कमजोर प्रदर्शन को माना जा रहा है, जिसके पीछे अमेरिका—इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष से उपजे हालात भी एक बड़ी वजह है। होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से जहां तेल और गैस आपूर्ति की वैश्विक शृंखला बाधित हुई है, वहीं देश का निर्यात भी प्रभावित हुआ है, जिसका सीधा असर औद्योगिक उत्पादन पर पड़ा है। गौरतलब है कि समग्र औद्योगिक उत्पादन में विनिर्माण क्षेत्र की बड़ी हिस्सेदारी है और इसमें गिरावट देश के आर्थिक विकास की रफ्तार के लिए चिंताजनक है। अगर पश्चिम एशिया में हालात सामान्य होने में ज्यादा समय लगा, तो स्थिति और ज्यादा बिगड़ सकती है।

आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में बिजली उत्पादन लगभग स्थिर रहा, इसमें वृद्धि दर महज 0.8 फीसद रही, जो पिछले वर्ष के मुकाबले काफी कम है। जाहिर है कि इससे भी समग्र औद्योगिक वृद्धि दर पर दबाव बढ़ा है। देश में एक ओर बढ़ती महंगाई की चुनौतियां हैं, तो दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट और अनिश्चितता के माहौल का असर औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है। यह स्वाभाविक है कि अगर देश में उत्पादन घटेगा, तो विकास की रफ्तार कमजोर पड़ती जाएगी।

इससे पहले अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए शुल्क की वजह से औद्योगिक क्षेत्र प्रभावित हुआ था। पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुआ संकट कब तक हल हो पाएगा, इस संबंध में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता, इसलिए इसका असर दूरगामी न हो और देश में विकास की गति धीमी न पड़े, इसके लिए सरकार को वैकल्पिक उपायों पर ध्यान केंद्रित कर नए रास्ते तलाशने होंगे। अगर समय रहते इस पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में जो हालात पैदा होंगे, उनसे निपटना आसान नहीं होगा।

आरक्षण की बहस और बदलते समय की चुनौती

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

भारत में आरक्षण पर बहस कोई नई नहीं है, लेकिन समय—समय पर यह मुद्दा नई परिस्थितियों और घटनाओं के कारण फिर से केंद्र में आ जाता है। हाल के दिनों में उच्च शिक्षा और संस्थागत नीतियों को लेकर न्दपअमतेपजल ळतंदजे ब्वउउपेपवद (न्लब) से जुड़े विवादों ने इस चर्चा को और तेज कर दिया है। एक ओर ऐसे लोग हैं जो मानते हैं कि अब जातिगत आरक्षण की प्रासंगिकता कम हो चुकी है, वहीं दूसरी ओर एक बड़ा वर्ग इसे सामाजिक न्याय और समान अवसर के लिए अब भी आवश्यक मानता है। इस जटिल बहस को समझने के लिए जरूरी है कि हम भावनात्मक प्रतिक्रियाओं से हटकर इसके ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक आयामों पर गंभीरता से विचार करें।

सबसे पहले यह समझना होगा कि आरक्षण की मूल भावना क्या थी। भारतीय समाज सदियों तक गहरी सामाजिक असमानताओं से जूझता रहा है। कुछ वर्गों को शिक्षा, संसाधनों और सम्मानजनक जीवन से व्यवस्थित रूप से वंचित रखा गया। यह केवल आर्थिक अभाव का प्रश्न नहीं था, बल्कि सामाजिक बहिष्कार और अवसरों की असमानता का भी था। इसी पृष्ठभूमि में संविधान निर्माताओं ने आरक्षण को एक अस्थायी उपाय के रूप में लागू किया, ताकि समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाया जा सके और उन्हें बराबरी का अवसर मिल सके।

हालांकि, आज का भारत 70दृ75 साल पहले के भारत से काफी अलग है। शिक्षा का विस्तार हुआ है, शहरीकरण बढ़ा है और नई पीढ़ी के सामने अवसरों के नए द्वार खुले हैं। यही कारण है कि कुछ लोग यह सवाल उठाते हैं कि क्या आज भी वही नीतियाँ लागू रहनी चाहिए जो दशकों पहले बनाई गई थीं। उनका तर्क है कि अब हर जाति के लोग विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, इसलिए आरक्षण का आधार केवल जाति नहीं होना चाहिए। वे यह भी कहते हैं कि सवर्ण समाज में भी बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर लोग हैं, जिनके लिए अवसरों की कमी उतनी ही वास्तविक है।

यह तर्क पूरी तरह निराधार नहीं है। वास्तव में, आर्थिक असमानता आज भारतीय समाज की एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। कई ऐसे परिवार हैं जो किसी भी आरक्षित श्रेणी में नहीं आते, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण अपने बच्चों को उच्च शिक्षा या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं दे पाते। ऐसे में यह मांग उठती है कि आरक्षण या सहायता का आधार आर्थिक स्थिति को बनाया जाए, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंच सके।

इसी सोच के तहत सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ैं) के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था की है। यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है, क्योंकि यह स्वीकार करता है कि गरीबी केवल किसी एक सामाजिक वर्ग तक सीमित नहीं है। लेकिन इसके साथ ही यह सवाल भी बना रहता है कि क्या केवल आर्थिक आधार पर आरक्षण देना पर्याप्त होगा?

दूसरी ओर, आरक्षण के समर्थन में एक मजबूत तर्क यह है कि सामाजिक भेदभाव और असमानता अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। कई अध्ययन और सामाजिक अनुभव यह दिखाते हैं कि समाज के कुछ वर्ग आज भी शिक्षा, रोजगार और सामाजिक स्वीकृति के स्तर पर पीछे हैं। भले ही कुछ लोग आर्थिक रूप से आगे बढ़ गए हों, लेकिन सामाजिक पहचान के आधार पर मिलने वाले भेदभाव का अनुभव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। यही कारण है कि अनुसूचित जाति ैब) और अनुसूचित जनजाति ैज) के लिए आरक्षण को केवल आर्थिक सहायता के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व के रूप में भी देखा जाता है।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण मुद्दा सामने आता है "क्रीमी लेयर" का। अन्य पिछड़ा वर्ग में यह व्यवस्था लागू है, जिसके तहत आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों को आरक्षण का लाभ नहीं दिया जाता। कई लोग यह मांग करते हैं कि इसी सिद्धांत को वर्गों पर भी लागू किया जाए, ताकि आरक्षण का लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। हालांकि, इस पर मतभेद हैं, क्योंकि कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि इन वर्गों में सामाजिक भेदभाव का प्रभाव इतना गहरा है कि आर्थिक स्थिति बेहतर होने के बावजूद भी इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मेडिकल और तकनीकी क्षेत्रों में आरक्षण को लेकर अक्सर चिंता व्यक्त की जाती है कि इससे गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। यह एक संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि इन क्षेत्रों का सीधा संबंध मानव जीवन और सुरक्षा से है। लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी पेशे में अंतिम योग्यता और दक्षता प्रशिक्षण, मेहनत और अनुभव से तय होती है। मेडिकल कॉलेजों और अन्य संस्थानों में सभी छात्रों को समान पाठ्यक्रम, परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इसलिए केवल आरक्षण के आधार पर गुणवत्ता पर सवाल उठाना एकतरफा दृष्टिकोण हो सकता है। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। यदि प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर सभी छात्रों को समान गुणवत्ता की शिक्षा मिले, तो उच्च शिक्षा में असमानता अपने आप कम हो सकती है। आज भी सरकारी और निजी स्कूलों के बीच गुणवत्ता का बड़ा अंतर है, जो आगे चलकर प्रतिस्पर्धा में असमानता पैदा करता है। इसलिए आरक्षण की बहस के साथ—साथ शिक्षा प्रणाली में सुधार पर भी उतना ही ध्यान देना जरूरी है।

कब जवाबदेह बनेगी नौकरशाही

—उमेश चतुर्वेदी—

सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा को 'स्टील फ्रेम' बताया था। संविधान सभा में प्रशासनिक सेवा पर बहस के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए मजबूत और तटस्थ नौकरशाही पर जोर दिया था। हालांकि अंग्रेजों के नौकरशाह रह चुके एचवी कामथ को चिंता थी कि वैधानिक सुरक्षा नौकरशाही को गैरजवाबदेह और असल 'शासक' बना सकती है। एक अप्रैल को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के मालदा की घटना में नौकरशाही ने जैसा रूख अख्तियार किया है, उसे देख लगता है कि पटेल के भरोसे की तुलना में एचवी कामथ की चिंता समय की शिला पर सटीक साबित हुई है। मालदा में पूरे नौ घंटे तक सात न्यायिक अधिकारियों को सियासी कार्यकर्ता के मुखौटे वाले अपराधियों ने बंधक बनाए रखा। उस दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी मुख्य सचिव से संपर्क करने में नाकाम रहे। दिलचस्प यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव से जवाब—तलब किया तो उन्होंने माफी मांग कर काम चला लिया। उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में शीर्ष अधिकारियों को सबक सिखाने से पीछे नहीं रहेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह माफी से ही संतुष्ट हो गया।

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरूआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली। अंग्रेज सरकार भारतीयों को गुलाम मानती थी, लिहाजा उसके अफसर भी भारतीयों से उसी अंदाज में पेश आते थे। आजादी के बाद नौकरशाही के इस चरित्र को बदलने की कोशिश के तहत तटस्थ ब्यूरोक्रेसी के रूप में आईएएस कैडर बनाया गया। गांधी मानते थे कि आधुनिक राज व्यवस्था और नौकरशाही में हिंसा का वर्चस्व है। गांधी जी श्ट्रस्टीशिपश के सिद्धांत के अनुसार प्रशासनिक या आर्थिक रूप से ताकतवर लोगों से उम्मीद करते थे कि वे संसाधनों के स्वामी नहीं, बल्कि रक्षक की तरह व्यवहार करें। इसी अंदाज में नौकरशाही को सेवक बनाने की कोशिश हुई। लेकिन क्या नौकराशाह सेवक बन पाए? वे सिर्फ उन राजनीतिक आकाओं के ही सेवक बन पाए हैं, जो ताकतवर हैं और जिनसे उन्हें भविष्य में मलाईदार पदों और ताकत की उम्मीद है। यही वजह है कि आजादी के 79 साल बाद भी नौकरशाही का ज्यादातर हिस्सा सामंती मानसिकता से ही प्रभावित नजर आता है। जनता को वह अपनी रियाया मानता है। लोक से सामंतों जैसा व्यवहार करने में ही उसे हेठी नजर आती है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नरियाला का कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का फोन नहीं उठाना इसी सोच का प्रतीक है। यह उस आशंका का भी जीवंत उदाहरण है, जो एचवी कामथ को परेशान कर रही थी। दिलचस्प यह है कि दुष्यंत नरियाला को 16 मार्च को ही चुनाव आयोग ने नंदिनी चक्रवर्ती की जगह नया मुख्य सचिव बनाया था, ताकि वे निष्पक्ष चुनाव करा सकें। नरियाला के व्यवहार से साफ है कि न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में उनका रवैया तटस्थ नौकरशाह की बजाय राज्य की मौजूदा सत्ता के इशारे पर ही काम करने वाले जैसा रहा। लोकतंत्र, लोक यानी आम लोगों का तंत्र है। लेकिन हकीकत में यह राजनीतिक दलों का तंत्र है और इस तंत्र में लोक की भूमिका महज वोट देने तक ही सीमित है। इस तंत्र में नौकरशाही की जवाबदेही राजनीति के हर अच्छे—बुरे कामों में साथ देने और कई बार उसका कहार बनने तक सीमित रह गई है। सरदार पटेल जब इस तंत्र को स्टील फ्रेम कह रहे थे, तो उनका आशय यह था कि भावी नौकरशाही आम लोगों की भलाई और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। पटेल को उम्मीद रही होगी कि नौकरशाह लोक के प्रति जब जवाबदेह होंगे, तब ऐश्वर्य पर उनकी निगाह कम होगी। लेकिन इसके ठीक उलट हो रहा है। नौकरशाही के बड़े हिस्से को अपनी मूल भूमिका की चिंता नहीं सताती। उसकी पूरी कोशिश खुद और खुद के कैडर को मजूबत करने और ज्यादा सुविधाएं जुटाने पर केंद्रित रहती है। ज्यादातर नौकरशाहों के लिए आमजन ठीक वैसी ही प्रजा हैं, जिस तरह अंग्रेजों के थे। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव का व्यवहार इसी सोच का उदाहरण है।जब कोई आईएएस किसी फरियादी की बात सुनने के लिए जमीन पर बैठ जाता है, या ऐसा ही सामान्य कदम उठाता है तो वह घटना खबर बन जाती है। इसकी वजह यही है कि अफसरों से ऐसे व्यवहार की उम्मीद ही नहीं होती। जनमानस की सोच ऐसी है तो यह मान लेना चाहिए कि पटेल की सोच के मुताबिक नौकरशाही विकसित नहीं हुई, बल्कि एचवी कामथ जैसे लोगों की आशंका ही सही साबित हुई है। नौकरशाही में जब भी किसी का चयन होता है, उसके पड़ोसी और रिश्तेदार तक मान लेते हैं कि कुछ ही दिनों में उसकी कई पुश्तों का इंतजाम हो जाएगा। ज्यादातर ऐसा होता भी है। मध्य प्रदेश जैसे कुछ राज्यों ने लोकपाल की व्यवस्था कर रखी है। वहां आए दिन जिस तरह अधिकारियों के घरों से नोटों की गड्डियां निकलती हैं, उनकी संपत्ति के ब्यौरे सामने आते हैं, उससे पता चलता है कि अफसर बनना जमींदारी हासिल करने से भी ज्यादा फायदेमंद है।

विभागीय कार्यों में लापरवाही पर होगी कार्रवाई –डीएम

संवाददाता–गोण्डा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में गुरुवार को कई विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विकास कार्यों, गो आश्रय, जिला स्तरीय ओडीटी सेल, सरयू ड्रेनेज खंड, जिला पर्यावरण समिति, जिला गंगा समिति सहित पंचायत, कृषि, नेडा, समाज कल्याण, सिंचाई, पूर्ति, जल निगम, बेसिक शिक्षा, प्रोबेशन, विद्युत, फैमिली आईडी, वन, खनन, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं एनआरएलएम से संबंधित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को अपनी योजनाओं–परियोजनाओं पर ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी कार्यों को समयबद्ध ढंग से शत–प्रतिशत पूर्ण किया जाए, जिससे जनहितकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय से पहुँच सके। साथ ही, विभागीय रैंकिंग में सुधार लाने के लिए ठोस प्रयास सुनिश्चित करने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने सरयू ड्रेनेज खंड के अधिशासी अभियंता को सभी नालों की सफाई से संबंधित अद्यतन सूचना शीघ्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला पर्यावरण समिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पूर्व से ही आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने सभी विभागों के समन्वय से कार्य करने पर बल दिया। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी विभाग में कार्यों के प्रति लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को जिम्मेदारी एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्य धरातल पर प्रभावी रूप से दिखाई दें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, डीसी एनआरएलएम जेएन राय, डीपीआरओ लालजी दुबे, एक्सईएन विद्युत राम मोहन पाण्डेय, एआरओ सप्लाई विभाग शिव प्रकाश त्रिपाठी, सीडीपीओ दुर्गेश कुमार सहित सभी बीडीओ, एडीओ पंचायत एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने अपने–अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की।

ग्राम पंचायत सचिव रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तारः 10 हजार लेते एंटी करप्शन टीम ने पकड़ा

संवाददाता–गोंडा। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन देवीपाटन मंडल की टीम ने एक ग्राम पंचायत सचिव को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। बभनजोत ब्लॉक में तैनात ग्राम पंचायत सचिव उमेश कुमार भारती को जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया है।

गिरफ्तारी के दौरान ग्राम पंचायत सचिव की जेब से रिश्वत के पैसे निकलते और पूरी कार्रवाई का लाइव वीडियो भी सामने आया है। एंटी करप्शन टीम उन्हें मनकापुर कोतवाली ले गई, जहां उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की पूछताछ की जा रही है। दरअसल, यह कार्रवाई कोल्हीगरीब, थाना छपिया निवासी विकासखंड बभनजोत निवासी अजमल पुत्र मोहम्मद अख्तर की शिकायत पर की गई। अजमल ने एंटी करप्शन टीम को बताया था कि उनके मित्र अजहरुद्दीन के तीन बच्चों – महमुदुद्दीन, समसू, निशा खान और फरहीन खान – के जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए सचिव उमेश कुमार भारती लगातार 10 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे थे। रिश्वत न देने पर प्रमाण पत्र नहीं बनाए जा रहे थे, जिससे उन्हें परेशानी हो रही थी। एंटी करप्शन देवीपाटन मंडल थाने के प्रभारी धनंजय सिंह ने बताया कि सचिव को मनकापुर कोतवाली लाकर मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने पुष्टि की कि उमेश कुमार भारती जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर रिश्वत ले रहे थे और पीड़ित को बार–बार परेशान कर रहे थे।

एसएसबी का सैनिक सम्मेलन, सीमा के जवानों को मिला सम्मान

संवाददाता–श्रावस्ती। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) भिनगा के मुख्यालय में एक सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कमांडेंट श्री अमरेन्द्र कुमार वरुण ने इसकी अध्यक्षता की। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य बलकर्मियों का मनोबल बढ़ाना और उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति अधिक सजग, अनुशासित तथा प्रेरित करना था। सम्मेलन के दौरान, ड्यूटी के समय उत्कृष्ट कार्य और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले बलकर्मियों को सम्मानित किया गया। सहायक कमांडेंट अमित शर्मा, निरीक्षक राहुल कुमार और उप निरीक्षक कमल यादव को महानिदेशक, बल मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त डीजी डिस्क एवं प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया। कमांडेंट ने सम्मानित जवानों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें पूरे दल के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इसके उपरांत, कमांडेंट ने वाहिनी की विभिन्न सीमा चौकियों से आए कमांडरों और जवानों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इनमें ड्यूटी निर्वहन, भारत–नेपाल संबंध, सीमा सुरक्षा की चुनौतियां, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं फिटनेस, प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी जैसे बिंदु शामिल थे। इस दौरान जवानों की समस्याओं को भी सुना गया और उनके त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। कमांडेंट ने बताया कि भारत–नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी के जवान 24 घंटे मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी निभाते हैं। भीषण गर्मी, कड़ाके की ठंड और बरसात जैसे कठिन हालातों में भी जवान पूरी निष्ठा से सीमा की सुरक्षा में लगे रहते हैं। साथ ही, अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की लगातार सघन चेकिंग की जा रही है।

सपा का प्रतिनिधि मंडल लेकर बरहज जाने को तैयार पूर्व मंत्री ब्रह्मशंकर त्रिपाठी हाउस अरेस्ट

संवाददाता–कुशीनगर। समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वाहन पर देवरिया जनपद के बरहज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्रामसभा लक्ष्मीपुर के प्रधान राजेश एवं उनके परिजनों तथा दुबौली के प्रधान गामा को कथित रूप से गलत तरीके से मुकदमों में फँसाए जाने के विरोध में तथा सरकार की जनविरोधी नीतियों, प्रदेश में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के खिलाफ आवाज उठाने के लिए भी जनप्रतिनिधियों को हाउस अरेस्ट किया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्व मंत्री ब्रह्मशंकर त्रिपाठी को उनके ग्राम सभा पिपराझाम आवास हाउस अरेस्ट किया गया है। कुशीनगर पुलिस सुबह से ही पूर्व मंत्री के आवास पर डेरा जमाए हुए है। पूर्व मंत्री ने हाउस अरेस्ट को लेकर कहा कि सरकार के दमनकारी नीतियों से जनता ऊब चुकी है। ग्राम प्रधानों व उनके परिजनों के ऊपर गलत तरीके से मुकदमा दर्ज कर उनकी आवाज को दबाने का कार्य किया गया है। आगे कहा कि हमलोग शांति पूर्वक पीड़ित के घर जाकर उनके दुख को साझा करना चाहते थे लेकिन हाउस अरेस्ट कर सरकार लोकतंत्र की हत्या कर जनता की आवाज न दबाने का कार्य कर रही है।

बरहज में प्रस्तावित शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए निकलने से पहले ही समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को हाउस अरेस्ट किया जा रहा है।जब जनता सवाल पूछती है, तब सत्ता पुलिस के सहारे आवाज दबाने निकल पड़ती है। यह कार्रवाई साबित करती है कि भाजपा सरकार जनाक्रोश से बुरी तरह डरी हुई है। लोकतंत्र में विरोध अपराध नहीं होता, लेकिन इस सरकार ने विरोध करने वालों को ही निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

जनपद में अपराध चरम पर है, निर्दोष लोगों पर फर्जी मुकदमे लादे जा रहे हैं। पीड़ित परिवार को लगातार उत्पीड़न हो रहा है, लेकिन सरकार अपराधियों पर नहीं बल्कि आवाज उठाने वालों पर कार्रवाई कर रही है। आगे कहा कि हाउस अरेस्ट करके विचारों को कैद नहीं किया जा सकता। दमन की हर कार्रवाई संघर्ष को और मजबूत करेगी। अन्याय के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी, जनता की आवाज न झुकी है, न झुकेगी।

जिलाधिकारी ने 21 बैंक अधिकारियों को किया सम्मानित

संवाददाता–बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान और अन्य स्वरोजगार योजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 बैंक अधिकारियों व शाखा प्रबंधकों को सम्मानित किया। यह सम्मान मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता की उपस्थिति में एक समीक्षा बैठक के दौरान स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर किया गया।

सम्मानित होने वालों में बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा दरगाह शरीफ के प्रबंधक सौरभ गुप्ता, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के दिव्य प्रताप सिंह, इंडियन बैंक महाराजगंज शाखा के मनीष सिंह, बैंक ऑफ इंडिया के उमेश कुमार जायसवाल, यूपी ग्रामीण बैंक शाखा महसी के मोहित वर्मा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अवनीश सिंह, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा नानपारा के समद आजाद, इंडियन बैंक मेडिकल कॉलेज शाखा के हर्षित अग्रवाल, यूको बैंक के आदित्य प्रताप सिंह, पंजाब नेशनल बैंक के जिला समन्वयक नवीन चंद्र सुयाल, इंडियन बैंक के रवि रंजन सिंह, बैंक ऑफ बड़ौदा के सुरेश पांडे, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के सचिन गुप्ता, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की अंकिता मिश्रा, एचडीएफसी बैंक के क्लस्टर हेड विमल कुमार तिवारी, लीड बैंक प्रबंधक जितेंद्र कुमार मसंद, यूपी ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक बहराइच रमेश चंद्र चौधरी व भिनगा के अमित वार्ष्णेय, जिला समन्वयक अभिनव भारती व सुधाकर तिवारी, और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक गौरव श्रीवास्तव शामिल थे।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बैंकों को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2026–27 के प्रारंभ से ही जनपद का सीडी रेश्यो बढ़ाने, प्राथमिकता क्षेत्र की योजनाओं में अधिक से अधिक लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराने, विभिन्न क्षेत्र के कृषकों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जारी करने, पीएम सूर्य घर योजना के तहत रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित करने, तथा स्वयं सहायता समूहों व स्वरोजगार योजनाओं में आवेदकों को अधिकतम ऋण प्रदान करने हेतु माहवार प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, उप कृषि निदेशक विनय कुमार वर्मा, उपायुक्त स्वरोजगार धनंजय सिंह, उपायुक्त उद्योग केशव राम वर्मा, पी. ओ. नेडा सुरेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी, बैंकों के जिला समन्वयक और उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंक प्रबंधक उपस्थित रहे।

बच्ची की मौत पर बवाल, लखनऊ हाईवे जाम कर प्रदर्शन

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा–लखनऊ हाईवे पर एक ईको कार ने आगे जा रहे ई रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर से ई रिक्शा में बैठी 8 साल की बच्ची का सिर रिक्शे में लगे लोहे की रॉड से टकराया, जिसके बाद छिटककर वो सड़क पर गिर गई। इस दौरान ईको चालक कार लेकर भागने लगा तो बच्ची के सिर पर कार का पहिया चढ़ गया। सिर फटने से मौके पर ही बच्ची की मौत हो गई। जबकि पीछे बैठे दो बच्चे घायल हो गए। बच्ची की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने दौड़ाकर ईको कार चालक को पकड़ लिया। इसके बाद लखनऊ हाईवे पर बच्ची का शव रखकर हंगामा करने लगे। सूचना के बाद मौके पर कोतवाल समेत कई थानों का फोर्स पहुंचा। ईको चालक को पुलिस छुड़ाकर ले जाने लगी तो प्रदर्शनकारी भड़क गए। इस दौरान जमकर धक्का–मुक्की होने लगी। पुलिस ने लाठी फटकारकर लोगों को खदेड़ा तब जाम खुला। पूरा मामला कोतवाली देहात क्षेत्र के तिवारी पुरवा बालपुर जाट का है। लालापुरवा बालपुर जाट के रहने वाले सुनील सिंह आज दोपहर करीब 3 बजे अपने बड़े भाई अनिल सिंह के साथ उनके ई–रिक्शे से अपनी 8 साल की बेटी शिवानी और 2 साल के बेटे अनूप के साथ मार्केट में कपड़े खरीदने जा रहे थे। उनके साथ 4 साल की भतीजी नैंसी भी थी।

इसी दौरान तिवारी पुरवा बालपुर जाट के पास गोंडा की तरफ से लखनऊ जा रही एक ईको कार ने ई रिक्शे में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बीच में बैठी 8 साल की नैंसी का सिर किनारे लगे लोहे के एंगल से लड़ा। टकराने के बाद वो सड़क पर जा गिरी।

टक्कर मारने के बाद ईको चालक कार समेत मौक से भागने लगा। इसी दौरान उसने बच्ची को रौंद दिया। इस दौरान राहगीरों ने पीछा कर 100 मीटर आगे ईको कार को घेरकर रोक लिया। चालक को पकड़कर पीटने लगे। हादसे में जबकि 2 साल का अनूप और 4 साल की नैंसी घायल है। जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। गुस्साए लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। बच्ची की मौत की सूचना पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। करीब आधे घंटे बाद देहात कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझाने लगी तो वे धक्का–मुक्की करने लगे।

पीड़ित परिवार को समझाते हुए कोतवाल शमशेर बहादुर कहने लगे– हम शुरुआत से लेकर आखिरी तक आपके साथ साथ हैं। जो करेंगे हम ही करेंगे। यहां कुछ लोग हंगामा कर रहे हैं, इनमें कुछ दलाल हैं। जो घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। इन लोगों के बहकावे में मत आइये। आप लोग जाम खोल दीजिए और पुलिस को बच्ची की डेडबॉडी ले जाने दीजिए। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी विरोध करने लगे तो पुलिस ने लाठी लेकर उन्हें दौड़ा लिया। करीब डेढ़ घंटे चले हंगामे के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को लाठी लेकर खदेड़ा। जाम खुलवाने के बाद पुलिस ने शिवानी के शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मैं दिल्ली में प्राइवेट जॉब करता हूं। मेरे चार बच्चों 9 साल का बेटा यश, 5 साल का रोहन और 4 साल का शक्ति में शिवानी दूसरे नंबर पर थी। मेरी बेटी शिवानी हमारे साथ ही रहती थी। वो कक्षा 2 पास कर तीसरी में गई थी। 5 मई को मेरे भतीजे अजय की शादी होनी है। उसके लिए हम लोग बच्चों के कपड़े दिलाने जा रहे थे। वहीं, बेटी की मौत के बाद सुनीता का रोक रोकर बुरा हाल है। वो सड़क पर दहाड़े मारकर रोती रही। कहती रही कि कोई मेरी बेटी मुझे लौटा दो। कोतवाल देहात ने बताया कि मामले को समझा–बुझाकर शांत कराया गया है।

आरोपी चालक को पकड़ लिया गया है। गाड़ी को कब्जे में ले लिया गया है। माहौल खराब करने वाले लोगों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बरहज के लक्ष्मीपुर कांड को लेकर सपा जिलाध्यक्ष सहित कई दिग्गज नेता हाउस अरेस्ट, तहसील बनी छावनी

संवाददाता–देवरिया। जिले की बरहज तहसील के लक्ष्मीपुर कांड और अन्य समस्याओं को लेकर सपा का गुरुवार को बरहज तहसील के घेराव कार्यक्रम को प्रशासन ने विफल कर दिया। प्रशासन ने सपा के जिलाध्यक्ष व्यास यादव समेत तमाम दिग्गजों को उनके घर मे हाउस अरेस्ट कर दिया है। पांच अप्रैल को ग्राम लक्ष्मीपुर में ग्राम प्रधान द्वारा चकनाली पर सड़क बनाने के विवाद में अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष विजेंद्र सिंह की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने लक्ष्मीपुर के ग्राम प्रधान राजेश यादव और ग्राम दुबौली के ग्राम प्रधान गामा यादव सहित पांच नाम जब और 8 अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में तत्कालीन उप जिलाधिकारी विपिन कुमार द्विवेदी को निलंबित किया जा चुका है। अधिवक्ता न्याय की मांग को लेकर आंदोलन की राह पर हैं। वहीं सपा ग्राम प्रधान को निर्दोष बता रही है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लक्ष्मीपुर प्रकरण में

निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर गुरुवार को बरहज तहसील का घेराव करने की घोषणा की थी। हालांकि, प्रशासन ने किसी भी प्रकार के धरना प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी। तहसील मुख्यालय पर कई थानों की पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस द्वारा हाउस अरेस्ट किए गए नेताओं में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष व्यास यादव, पूर्व सांसद कनकलता यादव, पूर्व विधायक स्वामीनाथ, रामपुर की पूर्व विधायक गजाला लारी, पूर्व जिलाध्यक्ष गेना लाल यादव, विजय रावत, वरिष्ठ नेता बेचू लाल यादव, वीरेंद्र चौधरी, संतोष यादव, मनोज यादव, रणवीर यादव आदि शामिल है। आंदोलन को देखते हुए प्रशासन ने बरहज तहसील परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी सुनील कुमार सिंह क्षेत्राधिकार दिनेश राजेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में बरहज, भलुअनी, सलेमपुर, मदनपुर, भाटपाररानी, मइल, गौरीबाजार, खुखुंदू, सहित दर्जन भर थाने की पुलिस, दो प्लाटून पीएसी के जवान तहसील और प्रमुख रास्ते पर तैनात है।

पूर्व विधायक अमनमणि के धरने को लेकर छावनी में तब्दील रहा नौतनवा कस्बा

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा के पूर्व विधायक अमन मणि त्रिपाठी ने गुरुवार को विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी मांगों को लेकर धरना–प्रदर्शन का ऐलान किया था। इसको लेकर गुरुवार की सुबह से ही अमन मणि का कार्यालय एवं तहसील पूरी तरह छावनी में तब्दील कर दिया गया था। पूर्व विधायक के विधानसभा में मौजूद समर्थकों को जगह–जगह पुलिस ने रोक भी लिया। इसके बावजूद बड़ी संख्या में समर्थक अमन मणि के नौतनवा कार्यालय पहुंच गए। समर्थकों के साथ पूर्व विधायक आवास से बाहर निकले तो गेट पर ही बड़ी संख्या में तहसील प्रशासन एव पुलिस अधिकारी के लोग मौजूद थे। रोकने की कोशिशों के बीच वे तहसील मुख्यालय पहुंच गए।

पूर्व विधायक अमन मणि के समर्थकों के काफिला के स्टेशन चौराहे पर स्थित उनके कैंप कार्यालय से निकलते ही गहमा गहमी बन गई। आवास के बाहर मौजूद भारी पुलिस फोर्स ने रोकने की पूरी कोशिश की फिर भी वह अपने समर्थकों के साथ मुख्य मार्ग होते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचे। यहां तहसील का मुख्य गेट बंद था। मौके पर मौजूद एसडीएम नवीन प्रसाद ने पूर्व विधायक का ज्ञापन लेकर उनसे 15 दिनों का समय मांगा। प्रशासन द्वारा काफी समझाने–बुझाने के बाद मामला शांत हुआ। पूर्व विधायक ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के अंदर मांगे पूरी नहीं हुईं तो वे समर्थकों के साथ आमरण अनशन को विवश होंगे।

पूर्व विधायक के धरना प्रदर्शन की सूचना पर ही पुलिस सतर्क हो गई थी। सुबह की पुलिस की टीमें विधानसभा के दर्जनों जगहों पर लगा दी गई। नौतनवा थाने के अलावा सोनौली, बरगदवा, परसा मलिक आदि थानों की पुलिस के साथ ही पीएसी बटालियन भी तैनात कर दी गई थी। पूर्व विधायक के समर्थकों को जगह–जगह रोके जाने की बात कही जा रही है। इस दौरान कई स्कूल–कॉलेज तक बंद रहे।

पूर्व विधायक अमन मणि त्रिपाठी ने पत्र के जरिए जिला प्रशासन से तहसील क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग की है। उनका आरोप है कि ग्रामसभा सोनौली के सुकरौली में मौजूद करीब 50 एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जा किया गया है। ग्राम सभा धोथियहवा में कुछ जमीन के हिस्से पर अवैध कब्जा किया गया है। कुनसेरी उर्फ बिशनपुरा में स्थित जनजातियों की जमीन पर भी कब्जा किया गया है। विधानसभा क्षेत्र में चकबंदी अंतर्गत किसी भी ग्रामसभा का राजस्व अभिलेख में नाम न होने के कारण गेहूं तौल में भारी असुविधा उत्पन्न हो रही है। इन मांगों सहित 20 सूत्री मांगों को लेकर उन्होंने आंदोलन का ऐलान किया है।

कार्यकर्ता की सक्रियता ही संगठन का ढांचा, प्रशिक्षित होना जरूरी –रमेश

संवाददाता–महराजगंज। भाजपा पंचायत प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक रमेश सिंह ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे वैचारिक रूप से सशक्त बनते हुए संगठन की नीतियों को प्रभावी ढंग से जन–जन तक पहुंचाएं। भाजपा का संगठनात्मक ढांचा कार्यकर्ताओं की सक्रियता और समर्पण पर आधारित है, इसलिए उनका प्रशिक्षित और जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। वे भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष संजय पांडेय की अध्यक्षता में पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान को लेकर बैठक में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में राजनीति केवल पारंपरिक तरीकों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसमें तकनीकी दक्षता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नमो ऐप जैसे आधुनिक साधनों का ज्ञान प्रदान किया जाएगा। इससे कार्यकर्ता न केवल संगठन की विचारधारा को प्रभावी ढंग से प्रसारित कर सकेंगे, बल्कि जनता के साथ सीधा संवाद स्थापित करने में भी सक्षम होंगे। कहा कि भाजपा का उद्देश्य केवल चुनावी सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना भी है। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें संगठन के इतिहास, सिद्धांतों और विचारधारा के साथ–साथ जमीनी स्तर पर कार्य करने की रणनीतियों से भी अवगत कराया जाएगा। जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि संगठन के विस्तार और मजबूती में प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका सर्वोपरि है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपेक्षा की कि वे प्रशिक्षण अभियान को गंभीरता से लें। इस अवसर पर जिला महामंत्री बबलू यादव, अश्वनी सिंह, जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. फरीदा इरम, जिला मंत्री दिनेश जायसवाल, बैजनाथ पटेल, ठाकुर रौनियार, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ पटेल, भीम प्रसाद, कुरसेद अंसारी, वीरेंद्र चौहान, गौतम तिवारी, अश्वनी सिंह गोलू तथा अश्वनी पटेल सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा का उद्देश्य केवल चुनावी सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना भी है।

मंदिर यज्ञ समिति ने बढ़ाया गरीब बेटी की शादी में मदद का हाथ

संवाददाता–महराजगंज। टूठीबारी के टोला धर्मौली में सामाजिक एकजुटता का एक नजारा देखने को मिला। आर्थिक तंगी से जूझ रहे एक असहाय परिवार की बेटी की शादी में स्थानीय मंदिर यज्ञ समिति ने संपूर्ण जिम्मेदारी निभाकर मिसाल पेश की। धर्मौली की रहने वाली गुड़िया के परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। घर की हालत ऐसी थी कि शादी जैसी बड़ी जिम्मेदारी निभाना परिजनों के लिए किसी पहाड़ से कम नहीं था। बेटी की शादी की चिंता ने परिवार को गहरी परेशानी में डाल रखा था। ऐसे कठिन समय में श्री प्राचीन काली मंदिर यज्ञ समिति शांतिनगर टूठीबारी ने आगे बढ़कर न केवल सहारा दिया, बल्कि पूरे विवाह आयोजन को सम्मानपूर्वक संपन्न कराने का बीड़ा उठाया। समिति के सदस्यों ने विवाह के लिए आवश्यक वस्त्र, खाद्य सामग्री, घरेलू जरूरतों के सामान तथा अन्य जरूरी खर्चों की व्यवस्था की। समिति की ओर से आर्थिक सहयोग स्वरूप राशि भी प्रदान की गई, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली। इस सहयोग ने एक गरीब मां की आंखों में आंसू जरूर दिए, लेकिन वे खुशी और संतोष के थे। समिति के अध्यक्ष अरुण निगम, शिव शंकर कसौधन, अमर निगम, कुलदीप निगम, पिंटू कसौधन, सुरेंद्र निगम, विशाल, अजय निगम, विनोद वासन और डॉ. सुरेश विश्वास सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समिति इससे पहले भी कई जरूरतमंद बेटियों रिंकी पटवा, प्रीति तथा एक अनाथ बिटिया की शादी में सहयोग कर चुकी है।

सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी की मनाई गई जयंती

माता जानकी की मुख्य सहेली थी चंद्रकला महारानी –रामप्रिया शरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। श्री राम नगरी में संतो की अनेक परंपराएं है। जिसमें से एक रसिक परंपरा है और रसिक परंपरा कि सिद्ध पीठ श्री रसमोद कुंज में निरंतर उत्सव आनंद चलता ही रहता है इसी क्रम में माता जानकी की मुख्य सहेली सर्वेश्वरी श्रीमती चंद्रकला महारानी का जयं मंदिर के पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज के संयोजन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वेश्वरी चंद्रकला जी महारानी का जन्म वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्दशी तिथि को माता जानकी के छठी के दिन हुआ था। महारानी के बरही उत्सव पर प्रातःकाल मठ में कई धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए। उसके बाद श्री सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी जू का भव्य श्रृंगार कर पूजन–अर्चन किया गया। मंदिर के पुजारी ने सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी को भोग लगाकर दिव्य आरती उतारी और सायंकाल बधाई गाई गई जिसमें अयोध्या के संत महंत सहित कई श्रद्धालु उपस्थित होकर के महारानी जी का बहरिया मनाए। श्री रसमोद कुंज पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरुवार को सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी जू का बरहईया धूमधाम से मनाया गया। सायंकाल जन्म बधाई का आयोजन किया गया। कलाकारों ने अपने–अपने गायन–वादन से भक्तगणों को मंत्रमुग्ध किया। कलाकारों को न्यौछावर भी भेंट हुआ।मठ उत्सव के रंग में डूबा रहा। अंत में संत–महंत और भक्तगणों को प्रसाद बांटा गया।

शरीर रूपी रथ श्रीकृष्ण के हाथों में सौंप देने पर मिलती है विजय–विद्याधर भारद्वाज

श्रीमद्भागवत कथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शरीर रूपी रथ को जो श्रीकृष्ण के हाथों में सौंप देता है उसे विजय श्री मिलती है । सुदामा ने ईश्वर से निरपेक्ष प्रेम किया तो उन्होने सुदामा को अपना लिया और अपने जैसा वैभवशाली भी बना दिया।मनुष्य का शरीर ही वह कुरूक्षेत्र है जहां निवृत्ति और प्रवृत्ति का युद्ध होता रहता है। जीव जब ईश्वर से प्रेम करता है तो ईश्वर जीव को भी ईश्वर बना देते हैं। यह सद् विचार कथा व्यास विद्याधर भारद्वाज महराज ने सिविल लाइन्स में विनोद प्रकाश शुक्ल के आवास पर चल रहे श्रीमद् भागवत कथा में भगवान कृष्ण महिमा का गान करते हुये व्यक्त किया।

सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुये कथा व्यास ने कहा कि पति यदि धन, सम्पत्ति, सुख सुविधा दे और पत्नी ऐसे पति की सेवा करे तो इसके आश्चर्य क्या है, धन्य हैं सुदामा की पत्नी सुशीला जिन्होने भूखे रहकर भी दरिद्र पति को भी परमेश्वर मानकर सेवा करती रही। भगवान कृष्ण ने जो सम्पत्ति कुबेर के पास भी नही है उसे सुदामा को दिया। सारा विश्व श्रीकृष्ण का वंदन करता है और वे एक दरिद्र ब्राम्हण और उनकी पत्नी सुदामा का वंदन करते हैं। सुदामा चरित्र का भावुक वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि शारीरिक मिलन तुच्छ है और मन का मिलन दिव्य। यदि धनी व्यक्ति दरिद्रों को हृदय से सम्मान दें तो आज भी सभी नगर द्वारिका की तरह समृद्ध हो सकते हैं।

श्रीकृष्ण द्वारा उद्धव को उपदेश देने के प्रसंग का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि ज्ञानयोग, निष्काम कर्मयोग, भक्तियोग का ज्ञान देते हुये भगवान कृष्ण ने कहा कि उद्धव इस अखिल विश्व में मैं ही व्याप्त हूं, ऐसी भावना करना। सुख दुख तो मन की कल्पना है। जो सदगुणो से सम्पन्न है वह ईश्वर है और असंतुष्ट व्यक्ति दरिद्र।

महात्मा जी ने कहा कि तक्षक जगत से पृथक नही है, वह भी ब्रम्ह रूप है। शुकदेव जी ने परीक्षित को ब्रम्ह का दर्शन कराकर निर्भय कर दिया। सतकर्म का कोई अंत नहीं। कथा सुनकर जीवन में उतारेंगे तो श्रवण सार्थक होगा। इं. अरविंद पाल, अरुणा सिंह पाल ने विधि विधान से कथा व्यास का पूजन किया। कहा कि कथा श्रवण से जीवन बदलता है। कथा श्रवण में भानु प्रताप शुक्ल, विनोद प्रकाश शुक्ल ,नवीन शुक्ल, पुनीत शुक्ल, सत्य प्रकाश शुक्ल, विनय शुक्ल, अभिनव पाण्डेय, अभय दुबे, सी.पी. पाण्डेय, अरुण पाण्डेय सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चाकू मारकर युवक की हत्या के विरोध में ग्रामीणों ने सड़क पर लगाया जाम

संवाददाता–गोरखपुर। बड़हलगंज क्षेत्र में बारात के दौरान हुई चाकूबाजी में युवक की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने गुरुवार को हाईवे जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। करीब डेढ़ घंटे तक चले हंगामे के बाद कोतवाल के आश्वासन पर ग्रामीण शांत हुए और शव का अंतिम संस्कार किया गया। जानकारी के अनुसार, बड़हलगंज थाना क्षेत्र के बेलसड़ी गांव निवासी परमानंद निषाद के यहां से बारात जीयनपुर गई थी। बारात में गांव के 26 वर्षीय अमीरचंद साहनी भी शामिल हुए थे। जयमाल कार्यक्रम के दौरान कूलर की हवा की दिशा को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई।

इस दौरान चाकूबाजी हुई, जिसमें अमीरचंद साहनी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना में राजकुमार साहनी, अभिलाष साहनी और साहिल यादव भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

युवक की मौत से बेलसड़ी गांव में मातम छा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे ग्रामीणों ने साउखोर मोड़ के पास हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया, जिससे एक लेन पर यातायात ठप हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान मृतक के बड़े भाई मानिकचंद साहनी, बहन और अन्य ग्रामीणों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, मुठभेड़ की मांग और परिवार को असलहे का लाइसेंस देने की मांग रखी। मौके पर मौजूद कोतवाल सुनील कुमार राय ने ग्रामीणों को समझाते हुए उनकी मांगों को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम समाप्त कराया गया।

आपदा प्रबंधन योजना के निर्माण में आपसी समन्वय जरूरी

संवाददाता–गोरखपुर। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को एक आवश्यक बैठक आयोजित कर जनपद की बहु आपदा प्रबंधन योजना 2026–27 के निर्माण पर बृहद चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिला अधिकारी (वित्त/राजस्व)/प्रभारी अधिकारी (आपदा) विनीत कुमार सिंह ने की। इस दौरान यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम नई दिल्ली एवं आई.पी.ई. ग्लोबल संस्थान के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। जहां ये बताया कि राहत आयुक्त कार्यालय व उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा किए गए अनुबंध के आधार पर जनपद की आपदा प्रबंधन योजना निर्माण की कार्यवाही की जा रही है। अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व ने सभी विभागों से अपेक्षा व्यक्त की कि योजना निर्माण में संस्थान द्वारा जो भी सूचनाएं मांगी जा रही हैं, उन्हें तत्काल उपलब्ध कराएं और अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

वहीं, गौतम गुप्ता आपदा विशेषज्ञ द्वारा जनपद में घटित होने वाली बहु आपदाओं तथा उसके प्रभाव पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया और साथ ही आपदाओं के प्रत्युत्तर के लिए किस प्रकार सभी विभाग आपस में समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करते हैं, के संबंध में प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया गया।इसके अलावा, आई.पी.ई. ग्लोबल संस्थान के प्रतिनिधि अविनाश मोहंती ने बताया कि विगत वर्षों में जनपद में विभिन्न आपदाओं से हुई क्षति के संबंध में सूचना एकत्र की जा रही है। इसके आधार पर भौगोलिक संरचनाओं को ध्यान में रखते हुए योजना निर्माण की कार्यवाही की जा रही है। बैठक में पुलिस, स्वास्थ्य चिकित्सा, पशुपालन, बाल एवं पुष्टा आहार, एन.आई.सी., विद्युत, पंचायती राज, लोक निर्माण विभाग, बाढ़ खंड, बाढ़ खंड –२, ड्रेनेज खंड, नगर पंचायत, सूचना, संभागीय परिवहन, आई.एम.डी., कृषि, एन.डी.आर.एफ., एस.डी.आर.एफ., 26वीं वाहिनी पीएसी, नगर निगम, जल निगम, नागरिक सुरक्षा आदि विभागों के अधिकारियों सहित विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

पिपराइच के किसानों से उपजाया 80 टन मालटिंग जौ, 45 टन भेजा

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के ब्लॉक पिपराइच के ग्राम दुबौली की 'दुबौली मॉ भूमि एग्रो किसान उत्पादक संगठन' ने मालटिंग जौ उत्पादन में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। गुरुवार को एफपीओ पीएमवी मालटिंग काशीपुर, ऊधमसिंह नगर (उत्तराखंड) को पीएमवी–10 वैरायटी की 45 टन जौ की पहली खेप रवाना की। उप कृषि निदेशक गोरखपुर धनंजय सिंह ने फ्लैग ऑफ कर इस खेप को रवाना किया, एफपीओ से जुड़े किसानों को शुभकामनाएं दी। रवानगी के समय रोहित शर्मा, अमित द्विवेदी, अनिमेष श्रीवास्तव, और प्रशांत सिंह, एफपीओ से निदेशक देवशंकर सिंह गुड्डू, जय सिंह, सुनील धर द्विवेदी, रतन सिंह, आकाश सिंह और पीएमवी मालटिंग से उपकेश वर्मा उपस्थित रहे। 22 सितंबर 2025 को प्रोजेक्ट अन्नदाता के तहत आयोजित बायर–सेलर मीट में होंडा इंडिया फाउंडेशन की पहल पर दुबौली मॉ भूमि एग्रो किसान उत्पादक संगठन और पीएमवी मालटिंग के बीच एमओयू हुआ था। कंपनी ने एफपीओ को मालटिंग जौ की पीएमवी–10 वैरायटी का 20 टन बीज उपलब्ध कराया। इस बीज को 30 गांवों के किसानों में वितरित कर 500 एकड़ में उत्पादन एफपीओ ने उत्पादन कराया। कुल 80 टन उत्पादन में से 65 टन कंपनी को भेजा जा रहा है, शेष 25 टन बाकी किसान अपने स्वउपयोग के लिए रखेंगे। कंपनी किसानों को 2250 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान कर रही है। जबकि जौ का न्यूनतम समर्थन मूल्य सरकार ने 2150 रुपये प्रति क्विंटल तय कर रखा है। यानी किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से 100 रुपये अधिक मिल रहा है। जल्द ही शेष 20 टन की खेप और रवाना होगी. किसान रमेश कुमार, सौरभ, राजाराम बताते हैं कि गेहूं की अपेक्षा जौ के उत्पादन में लागत कम आई। प्रति एकड़ उत्पादन भी गेहूं की अपेक्षा अधिक रहा। कंपनी के प्रतिनिधि पीएमवी मालटिंग से उपकेश वर्मा ने कहा कि गोरखपुर जनपद में यह पायलट प्रोजेक्ट सफल रहा है। अगले सीजन में दुबौली माँ भूमि एग्रो एफपीओ को हब बनाकर अन्य एफपीओ के साथ हब–स्पोक मॉडल से इस वैरायटी का उत्पादन और बढ़ाया जाएगा।

सूखी मिट्टी में दफनाई गई महिला व नवजात का शव मिला, हत्या की आशंका

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र में बृहस्पतिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब सूखे चोरहिया नाले की मिट्टी में दफन महिला और नवजात के शव बरामद हुए। जैनपुर ग्राम सभा के टोला मसूदाबाद में टहलने पहुंचे लोगों ने नाले की मिट्टी से बाहर निकला एक हाथ देखा, जिसे देखकर वे घबरा गए और शोर मचा दिया। देखते ही देखते मौके पर 50 से अधिक लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और खुदाई कर शवों को बाहर निकलवाया। पुलिस के अनुसार, महिला की उम्र करीब 30 वर्ष बताई जा रही है। महिला के साथ एक नवजात का भी शव मिला है, जिससे घटना और भी संदिग्ध हो गई है। घटनास्थल पर नोचे हुए बाल भी मिले हैं। स्थानीय लोगों का अनुमान है कि यह हरकत जानवरों की हो सकती है। फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आसपास के इलाकों में पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में मामला हत्या से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस हर पहलू पर गंभीरता से जांच कर रही है।

मक्के की फसल पर सैनिक कीट का हमला

संवाददाता–संतकबीरनगर। संत कबीनगर जनपद में मक्का की फसल पर सैनिक कीट का हमला प्रकाश में आया है। केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र गोरखपुर की विशेषज्ञ टीम ने कृषि रक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर गुरुवार को जनपद के प्रभावित क्षेत्रों का संयुक्त सर्वेक्षण किया। टीम ने गायघाट और चोल खरी गांवों में मक्का की फसल का निरीक्षण कर किसानों को कीट नियंत्रण के व्यावहारिक उपाय बताए। सर्वेक्षण के दौरान कुछ सीमित स्थानों पर सैनिक कीट (स्पोडोपटेरा फ्रूगीपरडा) का प्रकोप मिला। हालांकि क्षेत्र में इसके पतंगे भी देखे गए। मौके पर मौजूद जिला कृषि रक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार और सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी अवधेश कुमार ने किसानों से समेकित नाशीजीव प्रबंधन (आईपीएम) विधि अपनाने की अपील की। साथ ही खेतों में गंधपाश यंत्र (फेरोमोन ट्रैप) लगाए गए।

यूपी बोर्ड 12वीं के फेल छात्रों ने डीएम कार्यालय पर किया प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। एयरफोर्स क्षेत्र के समीप स्थित नीना थापा इंटर कॉलेज के 12वीं के सैकड़ों छात्रों ने गुरुवार को जिलाधिकारी कार्यालय के पास प्रदर्शन किया। छात्रों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया कि इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में उन्हें जानबूझकर फेल किया गया है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना था कि फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स जैसे मुख्य विषयों में अधिकांश छात्रों के अंक बेहद कम आए हैं और इन्हीं विषयों में उन्हें अनुत्तीर्ण घोषित किया गया है, जबकि हिंदी और अंग्रेजी जैसे अन्य विषयों में अच्छे अंक प्राप्त हुए हैं। छात्रों ने मूल्यांकन प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने तथा कॉपियों की दोबारा जांच की मांग की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य के.के. श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार इंटरमीडिएट का परिणाम बेहद निराशाजनक रहा। उन्होंने कहा कि लगभग 84 छात्र फेल हुए हैं, जबकि केवल पांच छात्र ही पास हो सके हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय का हाईस्कूल परिणाम बेहतर रहा, लेकिन इंटरमीडिएट के नतीजों में आई इस गड़बड़ी ने सभी को चौंका दिया है। इस संबंध में यूपी बोर्ड के उप सचिव डॉ. रुद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इस वर्ष मूल्यांकन बेहद सख्ती से किया गया है। यदि किसी छात्र को आपत्ति है तो वह अनुक्रमांक के साथ स्क्रूटनी के लिए आवेदन कर सकता है। विशेषज्ञों द्वारा पुनर्मूल्यांकन में त्रुटि मिलने पर अंक संशोधित किए जाएंगे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

निगरानी सं0–C 202517000001008/2025

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

अगरदी

बनाम

नन्दलाल आदि

1. नन्दलाल पुत्र तुलाराम निवासी ग्राम बैदोलिया अजायब तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 2. रेशमा देवी पत्नी तुलाराम 3. आज्ञाराम 4. दयाराम पुत्रगण फौजदार 5. इन्द्रसेन 6. राम गोपाल 7. श्याम नरायन 8. राजेश पुत्रगण हृदयराम 8. अशोक कुमार पुत्र सीताराम 9. कुसुम देवी पत्नी विरेन्द्र कुमार 10. मीरा देवी पत्नी श्यामलाल 11. श्याम सुन्दर पुत्र राम पुजारी 12. प्रदीप कुमार पुत्र नेबूलाल 13. ग्राम पंचायत बैदोलिया अजायब 14. सुन्दरी पुत्री राम पुजारी निवासीगण बैदोलिया अजायब तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 05–05–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 05 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 30 माह 04 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–969/2008

कृष्ण दयाल यादव

बनाम

सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव आदि

1/1 पुष्पा देवी उम्र करीब 80 वर्ष पत्नी मृतक सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव 7/1 राजन उम्र करीब 35 वर्ष पुत्र स्व0 रामानन्द 7/2 राहुल उम्र करीब 33 वर्ष पुत्र स्व0 रामानन्द 9/1 ध्यानचन्द्र उम्र करीब 35 वर्ष पुत्र स्व0 निर्माणचन्द्र सहाय 9/2 ज्ञानचन्द्र उम्र करीब 33 वर्ष पुत्र स्व0 निर्माणचन्द्र सहाय 12/1 पंकज उम्र करीब 36 वर्ष 12/2 विशाल उम्र करीब 33 वर्ष 12/3 विकास उम्र करीब 31 वर्ष पुत्रगण स्व0 गुलाब चन्द्र 15/1 राकेश उम्र करीब 38 वर्ष 15/2 बबलू उम्र करीब 35 वर्ष 15/3 मुन्ना उम्र करीब 32 वर्ष पुत्रगण स्व0 चिफराजशंकर निवासीगण ग्राम बेलवाडाड़ी तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 14–05–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 14 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण वाद सं0– 94/2022

मूलवाद सं0–58/97

भारतीय स्टेट बैंक

बनाम

मे0 उपाध्याय आटो मोबाइल्स आदि

1. मे0 उपाध्याय आटो मोबाइल्स बरहौनी बनकटी बस्ती तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती जरिये प्रोपराइटर श्री हनुमान प्रसाद 2. श्री हनुमान प्रसाद उपाध्याय वालिग पुत्र रामतीरथ उपाध्याय

3/1 श्रीमती सरोज उपाध्याय पत्नी श्री जगदीश प्रसाद उपाध्याय 3/2 अनूप उपाध्याय पुत्र स्व0 जगदीश प्रसाद उपाध्याय 3/3 कु0 शालिनी उपाध्याय 3/4 कु0 प्रिया उपाध्याय 3/5 कु0 कल्पना उपाध्याय पुत्रीगण स्व0 जगदीश प्रसाद उपाध्याय 3/6 अनुराम उपाध्याय पुत्र स्व0 जगदीश प्रसाद उपाध्याय 3/7 कु0 जया उपाध्याय पुत्री स्व0 जगदीश प्रसाद उपाध्याय 3/8 अंकित उपाध्याय पुत्र स्व0 जगदीश प्रसाद उपाध्याय सभी निवासी बरहौनी बनकटी बस्ती तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 4. श्रीमती प्रेमलता पत्नी स्व0 अमरजीत उपाध्याय 5. श्री अनिरूद्ध वालिग 6. श्री शम्भू वालिग 7. श्री अनिकेत वालिग पुत्रगण स्व0 अमरजीत उपाध्याय 8. कु0 साधना वालिग पुत्री स्व0 अमरजीत उपाध्याय सभी निवासी ग्राम बैजीपुर पोस्ट बनकटी तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती –विपक्षी/प्रतिवादीगण

तारीख पेशी 08–05–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान ग्राम न्यायालय हर्रैया जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–01/2025

राम मूरत

बनाम

रामनयन आदि

1. सालिकराम पुत्र राघव सरन साकिन उभाई 2. गंगाराम पुत्र रामनरेश साकिन उभाई 3. रूदल पुत्र रामनरेश साकिन उभाई 4. धर्मराज पुत्र रामगनेश साकिन उभाई 5. रामचन्दर पुत्र रामनरेश साकिन उभाई पो0 भदावल थाना दुबौलिया तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 21–05–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 29 माह 04 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी खुशबू KHUSHBOO पुत्री श्री राधेश्याम ग्राम–पटखाली बाबू पोस्ट– कप्तानगंज जनपद बस्ती की निवासिनी है। मेरा सिद्धार्थनगर विश्वविद्यालय से निर्गत सम्बद्ध पं. सूर्यनरायन चतुर्वेदी महाविद्यालय से प्राप्त बी.एस.सी. प्रथम, वर्ष 2016 अनुक्रमांक 1614000710043 और बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष, वर्ष 2017 अनुक्रमांक 17410007210273 और तृतीय वर्ष, वर्श 2018 अनुक्रमांक 18410007310034 त्रुटिपूर्ण है। इसमें खुशबू पुत्री राधे श्याम के स्थान पर KHUSHBU हो गया है जो गलत है। उसे KHUSHBOO कराया जाय। मेरी डिग्री में भी नाम गलत है उसे खुशबू KHUSHBOO कराया जाय। यह भी अवगत कराना है कि मेरा तीनों वर्षो का अंक पत्र गायब हो गया है। उसे पुनः निर्गत कराया जाय।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–999/2025

प्रमोद कुमार आदि

बनाम

दुर्गेश मिश्रा आदि

1. दुर्गेश मिश्रा उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र राजनाथ निवासी मौजा जामडीह शुकुल पो0 लवनापार तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 08–05–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7

(देखे नियम–11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना

अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 339/2025

थाना–नगर

जिला–बस्ती

तरन्नुमनिंशा

बनाम

हजरत अली

1– हजरत अली उम्र करीब 38 वर्ष पुत्र रमजान अली साकिन नवीनगर गनेशपुर थाना नगर जिला बस्ती

तारीख पेशी 08–05–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 08 मास 05 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7

(देखे नियम–11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना

अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 49/2026

थाना–पुरानी बस्ती

जिला–बस्ती

शबनम खातून

बनाम

अबरार अहमद आदि

1– अबरार अहमद उम्र करीब 28 वर्ष पुत्र जमाल अहमद 2–जाहिदा खातून, उम्र करीब 48 वर्ष पत्नी जमाल अहमद 3–जमाल अहमद उम्र करीब 50 वर्ष पुत्र अज्ञात 4–इसरार अहमद उम्र करीब 22 वर्ष पुत्र जमाल अहमद 5–शहरूख अहमद उम्र करीब 27 वर्ष पुत्र जमाल अहमद निवासीगण साकिन–पकरी आराजी थाना दुधारा, जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 22–05–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 22 मास 05 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश

(आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

कायमी सं0–379/2025

भगेलू आदि

बनाम

लखनऊ डायोसियन ट्रस्ट एसोसिएशन आदि

1. लखनऊ डायोसियन ट्रस्ट एसोसिएशन द्वारा अटार्नी एच.आर. मल सेक्रेटरी लखनऊ डायोसियन ट्रस्ट एसोसिएशन 6 सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2. सेन्ट जेम्स चर्च, बस्ती (जो चर्च एक्ट 1987 के अन्तर्गत इण्डियन चर्च ट्रस्टीज) स्वामी इण्डियन चर्च ट्रस्टी 51 चौरंगी रोड़, कलकत्ता द्वारा अटार्नी एच.आर. मल सेक्रेटरी लखनऊ डायोसियन ट्रस्ट एसोसिएशन 6 सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 3. सेन्ट जेम्स चर्च, बस्ती द्वारा लखनऊ डायोसियन ट्रस्ट एसोसिएशन 6 सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 4. प्रापर्टी आफिसर लखनऊ डायोसियन ट्रस्ट एसोसिएशन, लखनऊ द्वारा एच.आर. मल अटार्नी जनरल हाल मुकाम सिविल लाइन, तप्पा हवेली, परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला बस्ती।

तारीख पेशी 23–07–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 23 माह 07 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com